



197

न्यायालय श्रीमान् राजसमंडल न्यायालय मध्य प्रदेश

157-250

अभय कुमार तनय सुखदेव बिहारी कायस्थ
निवासी-ग्राम नीबीखेड़ी तह 0 गौरिहार
जिला-छतरपुर म.प्र.

..... आवेदक

- 3319 -

दिना - 8 - II / 97

मध्यप्रदेश शासन

.... अनावेदक

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र.भू.रा. संविदा 1959
विरुद्ध कमिश्नर सागर संभाग सागर के प्र.क्र.निग0138/
अ-1984/94-95 में पारित आदेश दि. 18.11.96 से
दुखित होकर-

मान्यवर महोदय,

आवेदक की ओर से निम्नलिखित प्रार्थना है :-

1. यह कि प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है कि ग्राम
नीबीखेड़ा में स्थित भूमि ख.नं. 1124, 1168 रकबा क्रमा: 0-849 एवं
076 हेक्टे. भूमि का व्यवस्थापन आवेदक के नाम से भूमि स्वामी
अधिकारों पर नायब तहसिलदार सरखई द्वारा अपने राजस्व प्र.क्र.114/
अ-1984/87-88 में पारित आदेश दिनांक 26.11.87 द्वारा म.प्र.
कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग की जा रही दखल रहित भूमि पर भूमि
स्वामी अधिकारों का प्रदाय किया जाना विशेष उपबंध अधिनियम
1984 के तहत विधिवत रूप से स्वीकार किया गया था। जिसके विरुद्ध
कोई भी अपील अथवा निगरानी न होने के कारण उक्त आदेश अंतिम
हो गया था। परंतु फिर भी कलेक्टर छतरपुर द्वारा उक्त प्रकरण को
एक शिकायती आवेदन पत्र के आधार पर स्त0प्रे0निग0 में दिनांक
20.3.95 को बिना किसी पर्याप्त आधार के लिया गया। जिससे
दुखित होकर आवेदक द्वारा एक निगरानी कमिश्नर सागर संभाग
सागर के न्यायालय में प्रस्तुत की गई थी। जिसे कि उन्होंने अपने
प्र.क्र.138/अ-1984/94-95 में पारित आदेश दिनांक 18.11.96
द्वारा खारिज कर दिया। जिससे दुखित होकर आवेदक द्वारा यह
निगरानी श्रीमान के समक्ष निम्नलिखित आधारों पर विधिवत रूप से
प्रस्तुत की जा रही है :-

.... 2/-

144
R.L. 1660
मस 8.1.97

श्री अज्ञेय उपाध्याय
एडवोकेट
जयपुर
श्री विनोद
2-1-97
कमिश्नर
कमिश्नर कार्यालय, सागर

46-II
दिनांक 8.1.97
कलेक्टर सागर

2/119

दिनांक - 8/7/97 (कनकपुर)

27.6.16.

आवक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा
रक	की	की	न	वा

R. M.